ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

पर्यावरण विज्ञान विभाग

डा0 यशवन्त सिंह परमार औद्यानिकी एवम् वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी, सोलन

भारत मौसम विज्ञान विभाग, भू-विज्ञान मंत्रालय

(भारत सरकार)

मौसम और कृषि दृष्टिकोण

Tel: +91-1792-252706 ; e-mails: baweja_pk@rediffmail.com, skguptampp@rediffmail.com

वर्षः 23 अंकः 31 अवधिः 19-23 जुलाई 2017 दिनांकः 18-07-2017

शिमला, सोलन, सिरमौर व बिलासपुर जिलों के मौसम का पूर्वानुमान

पिछले सप्ताह का मौसमः पिछले सप्ताह सभी जिलों में वर्षा रिकार्ड की गई ।दिन का तापमान सामान्य जबकि रात का तापमान सामान्य से अधिक रिकार्ड किया गया। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 35.0 डि.सै.**(14-07-2017)**बिलासपुर में रिकार्ड किया गया।

आने वाले पांच दिनों के मौसम का पूर्वानुमान

20-21 जुलाई को सभी जिलों में मध्म वर्षा होने व आसमान पर बादल छाए रहने की सम्भावना है। दिन व रात के तापमान में 2-4 डि.सै. तक की कमी होने की सम्भावना है। हवा उतर-पूर्वी दिशा से 4 से 7 कि.मी.प्रति घण्टा की गती से चलने की सम्भावना है। औसतन सापेक्षित आर्द्रता 50-90 प्रतिशत तक रहने की सम्भावना है।

सप्ताहिक कृषि कार्य

वर्षा के पानी का उचित उपयोगः

हिमाचल के पहाड़ी क्षेत्रों में सिंचाई के स्त्रोत बहुत कम हैं। वर्षा भी अधिकतर मौनसून (बरसात) के मौसम में ही होती है, अन्यथा सिंचाई का अभाव बना रहता हैं। थोड़ी वर्षा सर्दी के मौसम में भी होने की सम्भावना रहती है। जलाशयों का निर्माण करके वर्षा के जल का संचयन किया जा सकता हैं। संचयित जल को टपक सिंचाई व आधुनिक सिंचाई के तरीकों का प्रयोग कर सिंचाई के उपयोग में लाया जा सकता हैं।वर्षा जल संचयन के लिए कच्चे जलाशयों के किनारों तथा धरातल में काली पालीथीन शीट बिछाई जाती है तथा बिछाई गई शीट के ऊपर गोल पत्थर या इटों को बगैर सीमेंट के प्रयोग से लगाया जाता हैं। इन जलाशयों के निर्माण पर पक्के टैकों की अपेक्षा बहुत कम लागत आती है।

सब्जी फसलों सम्बंधित कार्य :

टमाटर में काला धब्बा(बकाईफ्रुट राट)रोगः आजकल जैसे वर्षा का प्रकोप बढेगा, टमाटर में काला धब्बा रोग अधिक फैलेगा । यह रोग हरे टमाटर के फलों पर आता है । टमाटर के फल पर काले धब्बे गोलाकार शक्ल में आते है ।इसके बचाव के लिए निम्नलिखित उपाए करें :-

1. टमाटर के पौधों को अच्छी तरह झम्बे लगाए जाने चाहिए।
2. जमीन की सतह के नजदीक के टमाटर के पत्तों को तोड देना चाहिए।
3. टमाटर में बकाईफ्रुट राट के उपचार के लिए फसल में रिडोमिल-र्ड (0.25:) 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर 8-10 दिन के अन्तराल में छिड़काव करें।

बागवानी सम्बंधित कार्य :

सेब में माईट की रोकथाम के लिये फैन्जाक्विन मैजिस्टर/मैजेस्टीक 10 ई सी 50 मिलीलीटर/200 लीटर पानी या प्रोपरजाईट सिम्बा/ओमाईट 57 ई सी 200 मिलीलीटर/200 लीटर पानी या हैक्सीथायाजोक्स मेडन 5.45 ई सी 200 मिलीलीटर प्रति 200 लीटर पानी का छिड़काव करें। अनार में फल धब्बा रोग की रोकथाम हेतु मैन्कोजेब 600 ग्राम या कार्बेन्डाजिम 100 ग्राम प्रति 200 लीटर पानी का छिड़काव करें

नोडल बैज्ञानिक

विभागाध्यक्ष

विस्तार शिक्षा निदेशालय